जम्मू और कश्मीर यू.टी.
कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण निदेशालय, तालाब तिल्लो, जम्मू
फाल आर्मी वर्म प्रबंधन

फाल आर्मी वर्म कीट **टिड्डी की तरह पूरी फसल नष्ट करने की क्षमता रखता है**। इसलिए फाल आर्मी वर्म से विभिन्न फसलों को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए निम्नलिखित प्रबंधन उपाय करना बहुत आवश्यक हैं:-

सांस्कृतिक उपाय (Cultural Practices)

•खेत की गहरी जुताई करें जिससे फाल आर्मी वर्म को सूर्य की तेज रोशनी एवं परभक्षी पक्षियों का शिकार बनाया जा सके।
•प्राकृतिक शत्रुओं को आकर्षित करने के लिए खेतों के चारों ओर की सीमाओं को साफ रखें और फूल वाले पौधे जैसे गेंदा सूरजमुखी धनिया आदि की ट्रैप फसल उगाए।
•मक्का की अगेती बुवाई करना सबसे कारगर उपाय है।
•प्राथमिक खुराक के रूप में एनपीके की संतुलित मात्रा का प्रयोग करें।
•फॉल आर्मीवर्म द्वारा क्षति कम करने के लिए मक्का की संकरित (हाइब्रिड) किस्मों का रोपण करें
•उपयुक्त दलहनी फसलों के साथ मक्का की इंटर क्रॉपिंग करें।
•एक से दो सोलर ट्रैप प्रति एकड़ स्थापित करें।

जैविक नियंत्रण (Biological Control)

•साइंट्रानिलिप्रोएल 19.8% + थायमेथोक्साम 19.8% एफएस @ 6 मिलीलीटर प्रति किòग्राò बीज की दर से बीज का उपचार करें।
•खेत में मौजूद कीट के अंडों एवं युवा लारवा को इकट्ठा करके नष्ट कर डालें।
•खेत में फॉल आर्मीवर्म की उपस्थिति मिलने के तुरंत बाद प्रभावित मक्का अथवा अन्य फसलों के पौधों में सुखी रेत का आवेदन करें।
•15 फेरोमेन ट्रैप प्रति एकड़ स्थापित करें।
•परजीवी अंडों को सप्ताहिक अंतराल पर प्रसारित करें (जैसे टेलीनोमस रेमस @ 4000 / एकड़ या ट्राइकोग्रामा @ 16,000 / एकड) ।
•जब एक पतंगा प्रति जाल प्रति दिन दिखाई दे या ट्रैप फसल / मुख्य फसल 5% तक प्रभावित हो तब 5% नीम के बीज की गिरी के अर्क (NSKE) या नीम तेल 1500 ppm (1 लीटर / एकड़) @ 5ml / लीटर की दर से छिड़काव करें।
•5 से 10% फसल के प्रभावित होने पर बेसिलस थुरिंगिनेसिस कुर्स्टाकी फॉर्मूलेशन @ 2 ग्राम / लीटर या एंटोमोपैथोजेनिक नेमाटोड (ईपीएन) (4 किग्रा / एकड़) @ 20 ग्राम / लीटर पानी की सिफारिश की जाती है

रासायनिक नियंत्रण (Chemical Control)

यदि 10% से अधिक फसल फॉल आर्मीवर्म से प्रभावित है तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से किसी एक का प्रयोग करे:-

1. क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी (80 मिली / एकड़) या 0.4 मिली / लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
2. थायमेथोक्साम 12.6% + लैंमडा सायलोथ्रिन 9.5% ZC (50 मि.ली. / एकड़) या 0.25 मिली / लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
3. स्पिनेटोरम 11.7% एससी (100 मिली / एकड़) या 0.5 मिली / लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
4. इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी (80 ग्राम / एकड़) या 0.4 ग्राम / लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।।

प्रभारी
पौध संरक्षण अधिकारी कृषि भवन तालाब तिल्लो जम्मू

अधिक जानकारी के लिए कृपया **प्लांट हेल्थ क्लिनिक जम्मू** को संपर्क करें